प्रेस विज्ञप्ति

समाज में हर मोड़ पर हो रहा है-दुर्योधन और शकुनी का सामना... ब्रह्माकुमारी उषा दीदी

रायपुर, 8 दिसम्बर: आज समाज में हर मोड़ पर दुर्योधन, दु:शासन और शकुनी जैसे पात्रों का समाना करना पड़ रहा है। गीता में वर्णित हर पात्र आज भी प्रासंगिक है। हमारे आन्तरिक अच्छे गुण ही वास्तव में पाण्डवों के प्रतीक हैं, इन गुणों का अवगुणों अर्थात कोरवों से प्रतिपल सामना होता है। पाण्डव अर्थात भगवान से प्रीत बुद्धि।

यह विचार अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्वप्रबन्धन एवं व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञा ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर स्थित शान्ति सरोवर में आयोजित गीता ज्ञान रहस्य प्रवचन माला में व्यक्त किया। विषय था-जीवन का आधार, गीता का सार।

ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने बतलाया कि जीवन एक संघर्ष है। जिसमें व्यक्ति को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कुछ लोग चुनौतियों का सामना करके जीवन को सफल कर लेते हैं। जो लोग चुनौती के वक्त सही निर्णय ले पाते हैं, उनके लिए सफलता के द्वार खुल जाते हैं। जो लोग दुविधाओं में घिरे होते हैं, वह असफल हो जाते हैं। ऐसे तनाव, हताशा और निराशा से बाहर निकालने में गीता बहुत मददगार सिद्ध हो सकती है।

उन्होंने कहा कि कौरव अर्थात अधर्म के वाचक। धृतराष्ट्र अर्थात जो राजसत्ता को बाहुबल से प्राप्त करते हैं। गांधारी अर्थात विवेक रूपी आँखों पर सदा अज्ञानता की पट्टी बांधे हुए। कौरवों के नाम दु अक्षरों से शुरू होते हैं। दुर्योधन अर्थात धन का दुरूपयोग करने वाला। कुरूक्षेत्र अर्थात कर्मक्षेत्र। यह संसार ही कर्मक्षेत्र है।

सभी समस्याओं का समाधान गीता में निहित:

ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने कहा कि गीता में कर्तव्य से विमुख होने की बात नहीं की गई है। गीता में जो योग सिखलाया गया है वह जीवन में सन्तुलन रखने के लिए है। योग से हमारे कर्म और व्यवहार में कुशलता आती है। आज जो हमारे जीवन में असन्तुलन आ गया है, उसका प्रमुख कारण योग से दूर होना है। उन्होंने कहा कि परिवार से लेकर विश्व की सभी समस्याओं का समाधान गीता में समाया है। इसीलिए गीता को सभी शास्त्रों में श्रेष्ठ माना गया है।

गीता सम्पूर्ण मानवता का शास्त्र :

उषा दीदी ने कहा कि गीता भगवान का गाया हुआ गीत है। चूंकि परमात्मा सभी आत्माओं का पिता है इसलिए यह सम्पूर्ण मानवता का शास्त्र है। श्रीमद् भगवद् गीता मनुष्यों में अच्छे संस्कारों का सृजन करती है। गीता में ऐसा अमृत समाया हुआ है कि वह हरेक व्यक्ति को अमरत्व की ओर ले जाता है। गीता के सार को जिसने भी जीवन में धारण किया है, वह अमर हो गए हैं।

इससे पहले गृह सचिव अरूण देव गौतम, महापौर प्रमोद दुबे, विधानसभा सचिव चन्द्रशेखर गंगराड़े, पत्रकारिता वि.वि. के कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, उद्योगपति राजीव अग्रवाल और क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी ने दीप प्रज्वलित कर प्रवचनमाला का शुभारम्भ किया। महापौर प्रमोद दुबे ने शाल और श्रीफल भेंटकर उषा बहन का अभिनन्दन किया। संचालन ब्रह्माकुमारी रश्मि बहन ने किया।

प्रेषक: मीडिया प्रभाग, प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज, रायपुर